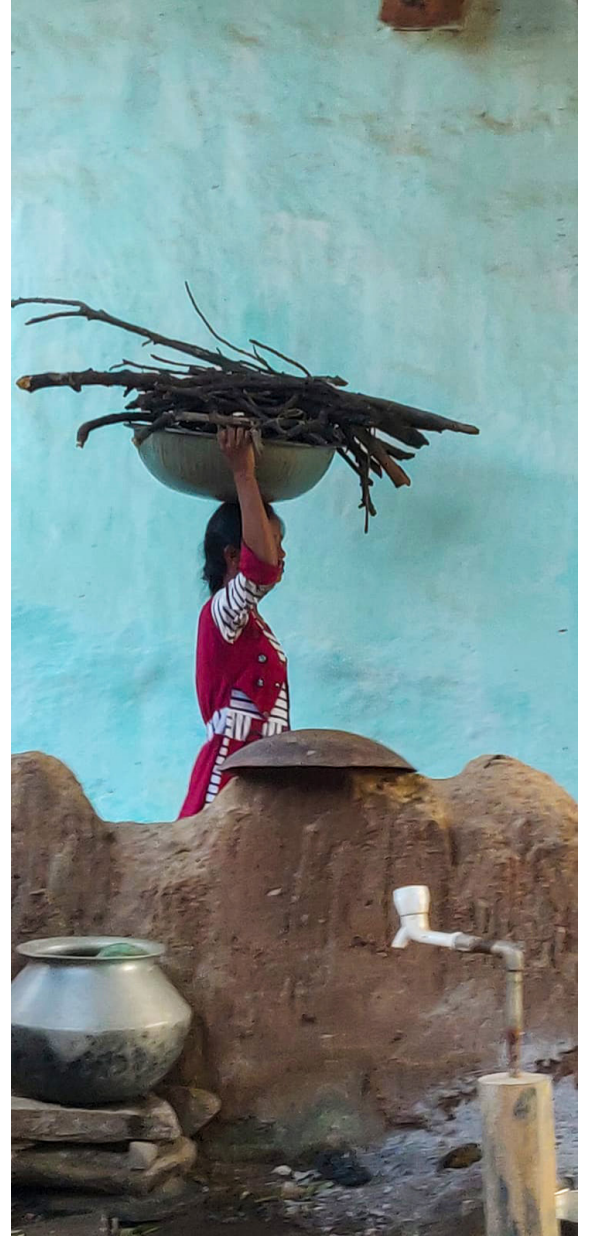


शिक्षा पर कविता (तब्बसुम)

बहुत जरूरी होती शिक्षा
सारे अवगुण धोती शिक्षा
चाहे जितना पढ़ ले हम
कभी न पूरी होती शिक्षा
शिक्षा पाकर की बनते है
नेता अफसर शिक्षक वैज्ञानिक
मंत्री व्यापारी या साधारण रक्षक
कर्तव्यों का बोध कराती शिक्षा
अधिकारों का ज्ञान दिलाती शिक्षा
शिक्षा से ही मिल सकता है सर्वोपरि सम्मान
बुद्धिहीन को बुद्धि देती अज्ञानी को ज्ञान
शिक्षा से ही बन सकता है
भारत देश महान



Courtesy: Mini